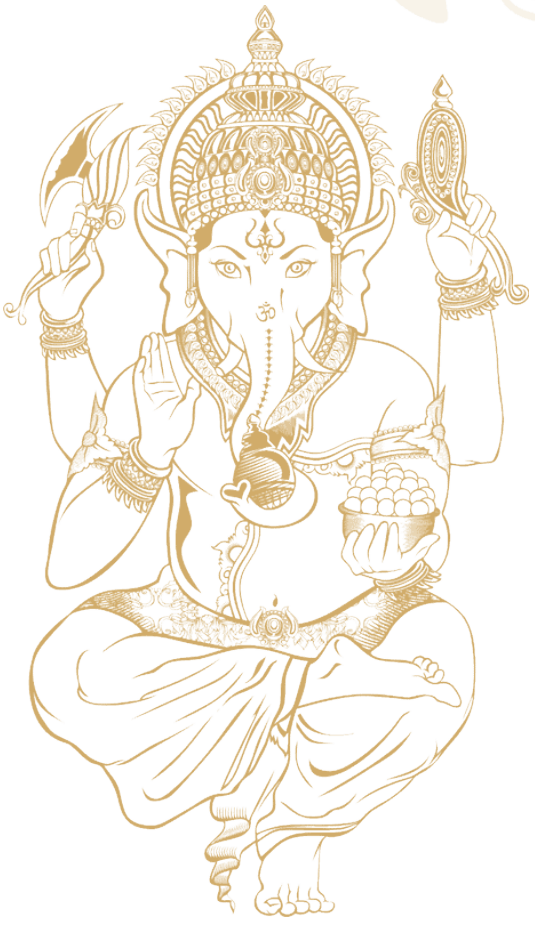

Anshul

Ayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121048909

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/04/1996	जन्म तिथि	01/09/2000
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:26:00	जन्म समय	06:35:00 घंटे
घटी 15:53:11	जन्म समय(घटी)	01:05:02 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:43	सूर्योदय	06:08:59
18:47:33	सूर्यास्त	18:43:14
23:48:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:44

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 5वर्ष 7मा 25दि		08:08:59	कर्क	लग्न	सिंह	20:10:30	चन्द्र 2वर्ष 7मा 5दि	
शुक्र		03:44:27	मेष	सूर्य	सिंह	15:02:37	राहु	
12/12/2008		25:33:54	मीन	चंद्र	कन्या	19:52:06	08/04/2010	
12/12/2028		24:27:34	मीन	मंगल	कर्क	26:01:19	07/04/2028	
शुक्र	13/04/2012	22:17:45	मेष	बुध	सिंह	24:18:20	राहु	19/12/2012
सूर्य	13/04/2013	23:22:53	धनु	गुरु	वृष	16:03:34	गुरु	15/05/2015
चन्द्र	13/12/2014	18:26:25	वृष	शुक्र	कन्या	07:14:13	शनि	20/03/2018
मंगल	12/02/2016	07:21:57	मीन	शनि	वृष	06:59:56	बुध	07/10/2020
राहु	11/02/2019	23:21:48	कन्या व	राहु व	मिथु	29:49:28	केतु	25/10/2021
गुरु	12/10/2021	23:21:48	मीन व	केतु व	धनु	29:49:28	शुक्र	25/10/2024
शनि	12/12/2024	10:35:09	मक	हर्ष व	मक	24:10:40	सूर्य	19/09/2025
बुध	13/10/2027	03:54:22	मक	नेप व	मक	10:26:06	चन्द्र	21/03/2027
केतु	12/12/2028	08:49:46	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:19:27	मंगल	07/04/2028

लग्न-चलित

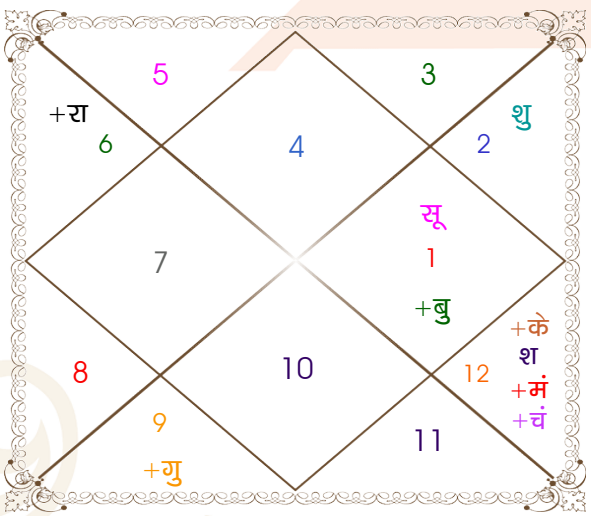

लग्न-चलित

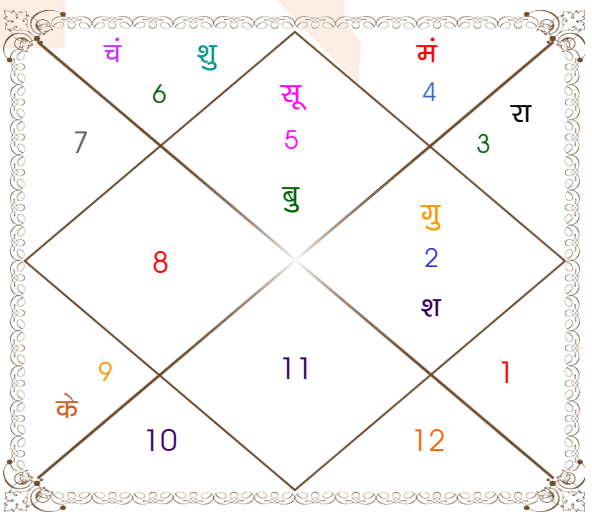

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

।दीनस का वर्ग सिंह है तथा ।लनीप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दीनस और ।लनीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दीनस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

।लनीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।लनीप कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।लनीप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।दीनस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दीनस तथा ।लनीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।